1. नवाचार, एकीकरण और स्थिरता के लिए शहर निवेश (सीआईटीआईआईएस) 2.0 (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
300	1. एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना का कार्यान्वयन	1.1 कार्यक्रम की समय-सीमा पूरा करने वाली परियोजना और कार्यक्रम के कार्यान्वयन चरण की शुरूआत करने वाली परियोजनाओं का %	100	1. एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन जोर देते हुए सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना	1.1 एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन पर जोर देने के साथ सर्कुलर इकॉनमी को बढ़ावा देने के लिए चुने गए शहरों की संख्या	18
					1.2 परियोजना में जेंडर टूल्स और मेथडोलॉजी (जेंडर एक्शन प्लान, पुरुषों/महिलाओं के लिए खास कंसल्टेशन आदि) को इंटीग्रेट करने वाले शहरों की संख्या	18
	2. जेंडर एक्शन प्लान बनाकर जेंडर को शामिल करने वाले इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट	2.1 जेंडर एक्शन प्लान बनाने वाले प्रोजेक्ट्स की संख्या	18	2. सांक्ष्य पर आधारित दृष्टिकोण से राज्यों और शहरों में जलवायु कार्य योजना को बढ़ावा दिया	2.1 विकसित एकीकृत राज्य जलवायु कार्य योजनाओं की संख्या	4
	3. चुने हुए शहरों में अधिकारियों की क्षमता विकास कार्यकलापों को लागू करना	3.1 प्रारंभिक, चयन, मैच्योरेशन और कार्यान्वयन चरणों के दौरान क्षमता विकास कार्यकलापों से लाभांवित एसपीवी/यूएलबी अधिकारियों की संख्या	100	3. राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में जलवायु-संवेदनशील और जेंडर-अनुकूल शहरी पद्धतियों को बढ़ावा देना	3.1 जेंडर पर जोर देते हुए एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन और जलवायु कार्य संबंधी कार्यक्रम में सहभागियों की संख्या	200
	4. शहरों के लिए राज्य जलवायु केंद्र (एस-सी3) की स्थापना / संचालन	4.1 शहरों के लिए स्थापित राज्य जलवायु केंद्रों की संख्या	21	4. उन्नत जलवायु-प्रतिक्रियाशील कार्रवाइयाँ	4.1 पार्टनर राज्यों का % जिसमें मुख्य जलवायु कार्रवाई अधिकारी ULB योजना प्रक्रिया को जलवायु-प्रूफ़ करने का नेतृत्व कर रहे हैं	100
					4.2 एनसीडीओ पर डेटा फीड करने वाले शहरों/राज्यों की संख्या।	21
	5. नगर निगम के कर्मचारियों के लिए एक बड़े क्षमता	5.1 एलसीसीएम कार्यक्रम के माध्यम से प्रमाणिति	250			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
	निर्माण कार्यक्रम का कार्यान्वयन करना - जलवायु परिवर्तन प्रबंधन में नेतृत्व (एलसीसीएम)	सहभागियों की संख्या				
	6. नेशनल क्लाइमेट डेटा ऑब्ज़र्वेटरी का संचालन	6.1 नेशनल क्लाइमेट डेटा ऑब्ज़र्वेटरी पर डेटासेट (डेटा एंट्री) की संख्या	2,000			
	7. भारत में शहरी इकोसिस्टम का लक्ष्य निर्धारित करते हुए नॉलेज डिसेमिनेशन स्ट्रेटेजी को लागू करना	7.1 एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन और जलवायु प्रतिक्रिया और जेंडर-अनुकूल शहरी पद्धतियों पर ज्ञान उत्पादों की संख्या	5			
		7.2 सीआईटीआईआईएस के अंतर्गत एसपीवी/यूएलबी के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की संख्या	4			
	8. सीआईटीआईआईएस कोहोर्ट के तहत चुने गए शहरों के साथ-साथ फ़ाइनल कोहोर्ट के तहत नहीं चुने गए शहरों के लिए एक पीयर लर्निंग मैकेनिज़्म का विकास	8.1 भाग लेने वाले और भाग न लेने वाले शहरों के बीच पीयर लर्निंग एक्टिविटी/वर्कशॉप की संख्या	2			
	9. एनआईयूए का संस्थागत सुदृढ़ीकरण	9.1 सीआईटीआईआईएस 2.0 के तहत बनाए गए टूल्स का इस्तेमाल करने वाले नॉन-सीआईटीआईआईएस शहरों की संख्या	10			

2. पीएचई क्षेत्र विकास योजना (पीएचई-एसडीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27[2]		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
2.5	1. पीएचई प्रशिक्षण	1.1 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (अभ्यर्थियों की संख्या)	40	1. सेवारत कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे नवीनतम प्रोद्योगिकी और दूसरे कार्यालयों में अपनाई जाने वाले सर्वोत्तम पद्धतियों की जानकारी रखे तथा अपडेटेड रहें। इसका इस्तेमाल समय-समय पर उनके अपने विभाग में विषय-गत मामलों से निपटने में किया जाएगा।	1.1 तकनीकी रूप से सुदृढ़ और लागत प्रभावी परियोजना रिपोर्टों, पी.पी.आर. / डी.पी.आर. का %	70
		1.2 रिफ्रेशर कोर्स (अभ्यर्थियों की संख्या)	400			
		1.3 शॉर्ट टर्म कोर्स (अभ्यर्थियों की संख्या)	25			
	2. अनुप्रयुक्त अनुसंधान	2.1 कुल अप्रूव्ड एप्लाइड रिसर्च प्रोजेक्ट की संख्या (संख्या में)	15	2. पीएचई सेक्टर के लिए कॉस्ट इफेक्टिव टेक्नोलॉजी और डिज़ाइन गाइडलाइंस बनाना।	2.1 निष्कर्षों को अपनाने के लिए राज्यों/शहरी स्थानीय निकायों को अंतिम अनुशंसाएँ (सिफारिशें संख्या में)।	5
	3. टेक्निकल मैनुअल / गाइडलाइन / एडवाईज़री	3.1 सेक्टर की आवश्यकता के अनुसार मैनुअल में बदलाव / अपडेट करना और एडवाइज़री तैयार करना (संख्या में)	2	3. यूएलबी की क्षमता निर्माण करना और पीएचई सेक्टर की अलग-अलग परियोजनाओं की योजना बनाने और उनका कार्यान्वयन करने में मार्गदर्शन करना।	3.1 नियमावली/ दिशा-निर्देशों/ परामर्शों का अंतिम प्रकाशन (संख्या में)।	2

[2] *यह रेखांकित किया जाता है कि समग्र परिणाम संकेतक और लक्ष्य मापने योग्य/अनुकूल नहीं हैं। पी.एच.ई. प्रशिक्षण (स्नातकोत्तर, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और अल्पकालिक पाठ्यक्रम), अनुप्रयुक्त अनुसंधान और तकनीकी नियमावली/परामर्श आदि की तैयारी के दीर्घकालिक परिणाम सेवारत कर्मियों की उनके मूल विभागों में विषय को संभालने की क्षमता निर्माण के रूप में होते हैं, जो अंततः परियोजनाओं के समय और लागत में होने वाली वृद्धि को कम करते हैं। अतः, संकेतक और लक्ष्य इसके लिए उपयुक्त नहीं हैं।*